भजन

मोहे आए जगावन काज, हमारे पूर्णब्रह्म श्री राज
कि अंगना झूम उठी.. 2 के आत्म झूम उठी

1 मुझको तेरा आधार मिला, मुझको ये तेरा प्यार मिला
इन चरणों में दीदार मिला, इन चरणों में सुख अपार मिला
पाकर के तेरा प्यार, सजाऊं इश्क का सिनगार
कि अंगना......

2. प्रीतम की मैं दीवानी हुई, दुनिया से मैं बेगानी हुई
मुझे रंग दिया अपने जैसा, न और किसी को मिला ऐसा
मेरी पिया से हो गई बात, वो मुझको ले चलेंगें साथ
कि अंगना......

3. मैं प्यार तेरा कैसे कहूं, तेरे सनमुख मैं बैठी ही रहूं
नजरों में तेरा नूर रहे, जलवा तेरा भरपूर रहे
तूं मेरा अटल सुहाग, सोहागिन हो गई मैं आज
कि अंगना......